हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

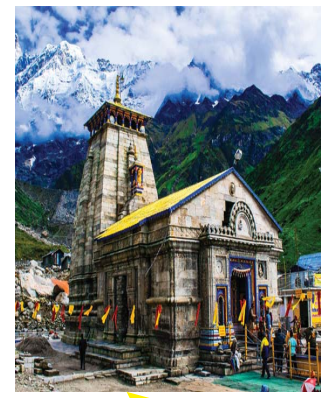

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

निर्भीक, निष्पक्ष, सच का प्रवाह

वर्षः5 अंकः163 पृष्ठः08 मुल्यः1 रूपये | pathpravah.com | हरिद्वार, शुक्रवार, 19 जून 2026

उत्तराखंड कैबिनेट में पशुपालन, भर्ती, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य समेत 13 अहम प्रस्तावों पर मुहर

पथ प्रवाह, देहरादून।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक में राज्यहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने पशुपालन, चारधाम यात्रा, भर्ती प्रक्रियाओं, पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य और कारागार नियमावली समेत कुल 13 अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी। इन फैसलों का सीधा असर आम जनता, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों पर पड़ेगा।

दुग्ध उत्पादन बढ़ाने को भ्रूण प्रत्यारोपण परियोजना को हरी झंडी

राज्य में गौ-वंशीय पशुओं की नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए कैबिनेट ने भ्रूण प्रत्यारोपण (श्वद्बह्4श ञ्चह्ड्ढठ्ठद्बद्गह्) आधारित पायलट परियोजना को मंजूरी दी है। इससे उच्च गुणवत्ता वाले पशुओं का तेजी से उत्पादन संभव होगा और डेयरी सेक्टर को मजबूती मिलेगी।

चारधाम यात्राः घोड़ा-खच्चर मालिकों को बड़ी राहत

केदारनाथ, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब मार्ग पर चलने वाले घोड़े-खच्चरों के बीमा प्रीमियम का 20% हिस्सा राज्य सरकार वहन करेगी।

वर्ष 2026 में करीब 15,000 पंजीकृत पशुओं को इस योजना का लाभ मिलेगा, जिससे पशु स्वामियों को आर्थिक राहत मिलेगी।

भर्ती परीक्षाओं में आंदोलनकारियों को बड़ी राहत

राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों को 10% क्षैतिज आरक्षण के तहत एक बार विशेष छूट दी गई है।

निर्धारित तिथि के बाद प्रमाण-पत्र जमा करने वाले अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के दौरान मौका मिलेगा।

सड़क निर्माण में महंगाई का असर, अनुबंधों में मूल्य समायोजन

बिटुमिन (डामर) की कीमतों में 30% तक वृद्धि के चलते कैबिनेट ने लोक निर्माण विभाग के अनुबंधों में मूल्य समायोजन को मंजूरी दी है। यह राहत 1 मई 2026 से 30 जून 2026 तक लागू रहेगी।

आबकारी नीति में संशोधन

त्रिवर्षीय आबकारी नीति (2025-28) में संशोधन करते हुए उपकर को वैट गणना में शामिल करने और होलोग्राम शुल्क के दोहराव को समाप्त करने का निर्णय लिया गया।

सगंध उत्पादों की जांच के लिए अत्याधुनिक् रूस् मशीन

सेलाकुई स्थित सगंध पौधा केंद्र में मिलावट जांच के लिए अत्याधुनिक् रूस् मशीन संचालित होगी। इसके लिए 5 विशेषज्ञ पदों का सृजन किया गया है, जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

अंतरराष्ट्रीय हिमालयन कार रैली को मंजूरी

पर्यटन को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए राज्य में अंतरराष्ट्रीय हिमालयन कार रैली आयोजित की जाएगी। इसमें 120 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने का लक्ष्य रखा गया है।

उपनल कर्मियों को 'समान कार्य, समान वेतन' का लाभ

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के क्रम में उपनल कर्मियों के लिए पात्रता कटऑफ तिथि संशोधित कर 15 अक्टूबर 2024 कर दी गई है।

कारागार नियमावली और सेवा नियमावली में संशोधन

कैबिनेट ने उत्तराखंड कारागार (संशोधन) नियमावली 2026 और कारापाल सेवा नियमावली 2026 को मंजूरी दी है, जिससे कारागार प्रशासन और अधिक सुदृढ़ होगा।

संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा, नई विनियमावली लागू

संस्कृत शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए संशोधित विनियमावली 2026 लागू की जाएगी, जिससे पाठ्यक्रम और परीक्षा प्रणाली में सुधार होगा।

उत्तराखंड बनेगा पूर्ण साक्षर राज्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उत्तराखंड को पूर्ण साक्षर राज्य घोषित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

गोल्डन कार्ड योजना में अस्पतालों के बकाया बिलों का भुगतान

राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना के तहत लंबित बिलों के भुगतान के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे अस्पतालों को राहत मिलेगी।

किशाऊ बांध परियोजना पर सहमति, केंद्र का आभार

वर्षों से लंबित किशाऊ बहुउद्देशीय बांध परियोजना पर सहमति बनने पर कैबिनेट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया।

एक नजर

विवादित वीडियो पर फिर बोले भगवंत मान, कहा- वायरल क्लिप पूरी तरह फर्जी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक बार फिर विवादित वायरल वीडियो को लेकर सफाई दी है। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा वीडियो पूरी तरह फर्जी है और उनका नाम बदनाम करने के उद्देश्य से फैलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वीडियो में दिखाई दे रहा व्यक्ति वह नहीं हैं और इस मामले को राजनीतिक रंग दिया जा रहा है।

भगवंत मान ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ सुनियोजित दुष्प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार किसानों, युवाओं और राज्य के हितों से जुड़े मुद्दों पर काम कर रही है, जिससे कुछ राजनीतिक ताकतें परेशान हैं और इसी वजह से उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो वीडियो की किसी भी मान्यता प्राप्त फॉरेंसिक प्रयोगशाला से जांच कराई जा सकती है। उन्होंने दोहराया कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है और सच्चाई सामने आनी चाहिए। इससे पहले भी वह इस वीडियो को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से तैयार किया गया या छेड़छाड़ किया गया वीडियो बता चुके हैं।

हालांकि इस मामले में विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। दूसरी ओर, अकाल तख्त से जुड़े प्रतिनिधियों ने वीडियो को प्रामाणिक बताया है, जबकि आम आदमी पार्टी के नेताओं का कहना है कि वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति भगवंत मान नहीं है। इसी को लेकर पंजाब की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है।

विवाद के बीच मुख्यमंत्री ने जनता से अपील की है कि वे अफवाहों पर विश्वास न करें और तथ्यों के आधार पर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचें। फिलहाल यह मामला पंजाब की राजनीति और धार्मिक हलकों में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

असम में 14.5 करोड़ रुपये की नशीली दवाएं जब्त, सात तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 14.5 करोड़ रुपये मूल्य की नशीली दवाएं जब्त की हैं। इस अभियान में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें राज्य के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर मादक पदार्थों की खेप बरामद की गई।

अधिकारियों ने बताया कि बरामद नशीले पदार्थों में हेरोइन और अन्य प्रतिबंधित मादक पदार्थ शामिल हैं। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह खेप कहां से लाई गई थी और इसके पीछे कौन-सा तस्करी नेटवर्क सक्रिय था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर पुलिस पूरे गिरोह की कड़ियां जोड़ने का प्रयास कर रही है।

अमेरिका-ईरान जंग खत्म, तय तारीख से एक दिन पहले समझौता...

दोनों प्रेसिडेंट ने दस्तखत किए, ट्रम्प चिल्लाकर बोले- डील साइन

तेहरान/वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच जंग खत्म करने के लिए अंतरिम समझौते पर दस्तखत हो गए हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार रात को फ्रांस के वर्साय पैलेस में इससे जुड़े एमओयू पर साइन किए। इस दौरान फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों मौजूद थे। डील पर दस्तखत करने के बाद ट्रम्प ने बाहर लोगों से चिल्लाते हुए कहा कि डील साइन हो गई है। ट्रम्प के बाद ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने भी ईरान से इलेक्ट्रॉनिक दस्तखत किए। समझौते का ऐलान भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार सुबह 5:30 बजे किया गया। यह तत्काल प्रभाव से लागू हो गया।

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक एंड पीस के मुताबिक अमेरिका-ईरान जंग से ग्लोबल जीडीपी को 1.3 ट्रिलियन डॉलर, यानी करीब 122 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। ये ग्लोबल जीडीपी का 0.6 प्रतिशत है। पहली नजर में यह नुकसान उतना बड़ा नहीं लगता। 2020 में कोरोना के दौरान भी ग्लोबल जीडीपी 3.1 प्रतिशत सिकुड़ गई थी। हालांकि कोरोना का असर पुरानी दुनिया पर पड़ा था। ईरान जंग की सबसे बड़ी मार कुछ चुनिंदा देशों और उन लोगों पर पड़ेगी, जिनकी आय पहले से कम है और जो ऐसे झटकों को झेलने की स्थिति में नहीं हैं। ऑर्गनाइजेशन ऑफ इकोनॉमिक कॉपरेशन एंड डेवलपमेंट के मुताबिक, 2025 में ग्लोबल इकोनॉमिक ग्रोथ 3.4 प्रतिशत थी, जो 2026 में घटकर 2.8 प्रतिशत ही रह जाएगी। इस समझौते के तहत ईरान और लेबनान में मिलिट्री एक्शन खत्म किया जाएगा। होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोला जाएगा और अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी खत्म की जाएगी। इस समझौते पर 19 जून को

स्विटजरलैंड में जेनेवा के पास लूसर्न शहर में साइन होने थे, लेकिन निर्धारित कार्यक्रम से एक दिन पहले ही इस पर दस्तखत कर दिए गए।

समझौते के बाद तेल की कीमतों में गिरावट

दुनिया में तेल की कीमत तय करने वाला ब्रेंट क्रूड पिछले तीन दिनों से 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। गुरुवार को ब्रेंट क्रूड करीब 2 प्रतिशत गिरकर 78 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जंग के दौरान इसकी कीमत 114.44 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। यानी अब यह उस स्तर से करीब 35 डॉलर सस्ता हो चुका है। अमेरिका का कच्चा तेल भी गिरकर करीब 74 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है, जो तीन महीने का सबसे निचला स्तर है।

अमेरिका-ईरान प्रतिनिधि आज स्विट्जरलैंड में मिलेंगे

अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक वार्ता शुक्रवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में होगी। बैठक में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधियों के भी शामिल होने की उम्मीद है। इसके अलावा समझौता प्रक्रिया से जुड़े अन्य देशों के अधिकारी भी बैठक में भाग ले सकते हैं। हालांकि मंत्रालय ने यह भी बताया कि मीटिंग के कार्यक्रम, समय और एजेंडे से जुड़ी जानकारी अभी सार्वजनिक नहीं की गई है।

ईरान को 28 लाख करोड़ का हर्जाना

अमेरिका ने अपने क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ मिलकर ईरान के पुनर्निर्माण और विकास के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर, यानी 28 लाख करोड़ रुपए की योजना तैयार करने का वादा किया है। हालांकि, यह पैसा तुरंत नहीं दिया जाएगा। पहले अमेरिका और ईरान को 60 दिनों में अंतिम समझौते पर पहुंचना होगा। इससे ही तय होगा कि 300 अरब डॉलर का फंड कैसे बनाया जाएगा, पैसा कहां से आएगा और उसे किस तरह खर्च किया जाएगा।

कुमाऊँनी लोक संस्कृति के रंगों से सजा अंतर-विद्यालयीय युगल नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल 2026 के तत्वावधान में गुरुवार, एक होटल, अल्मोड़ा में कुमाऊँनी लोकगीतों पर आधारित अंतर-विद्यालयीय युगल नृत्य प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से कुमाऊँ की समृद्ध लोक-सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर उपस्थित दर्शकों की भरपूर सराहना प्राप्त की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा रहे। इस अवसर पर शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए श्री अमरनाथ भट्ट, दिनेश पाण्डेय एवं डॉ. जे.सी. दुर्गापाल को सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में ब्लूमिंग बड्स, सब जूनियर एवं सीनियर वर्गों के कुल 68 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने पारंपरिक कुमाऊँनी वेशभूषा एवं लोकधुनों पर आधारित उत्कृष्ट प्रस्तुतियाँ देकर दर्शकों तथा निर्णायक मंडल को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन शगुन त्यागी, ममता वाणी एवं लता पाण्डेय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मीता उपाध्याय, गिरीश मल्होत्रा, डॉ. वसुधा पंत, मीनाक्षी पाठक, दीपक जोशी, भूषण पाण्डेय सहित ग्रीन हिल्स परिवार के अनेक सदस्य एवं गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में डॉ. वसुधा पंत ने अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि साहित्य, भाषा, कला और लोक संस्कृति किसी भी समाज की पहचान एवं उसकी सांस्कृतिक चेतना के आधार स्तंभ होते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने तथा स्थानीय लोक परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर उन्होंने आगामी अक्टूबर 2026 में आयोजित होने वाले अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल की औपचारिक घोषणा भी की तथा सभी साहित्यप्रेमियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं से उसमें सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक संचालन मीनाक्षी पाठक द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता के परिणाम

ब्लूमिंग बड्स वर्ग– प्रथम स्थान - कृतार्थ भावना अकादमी की चाहना साह एवं हर्षिता, द्वितीय स्थान - बोधि ट्री स्कूल की शिवांशी एवं भाव्या, तृतीय स्थान - शारदा पब्लिक स्कूल के आरांश एवं पृथ्वी साह

सब जूनियर वर्ग– प्रथम स्थान - बोधि ट्री स्कूल की वन्या जोशी एवं हिमांशी जोशी, द्वितीय स्थान - ग्रेस स्कूल के मयंक कुमार एवं मुस्कान

तृतीय स्थान - कृतार्थ भावना अकादमी की सौम्या एवं हर्षिता बैंकोटी

सीनियर वर्ग

प्रथम स्थान - ग्रेस स्कूल की हिमाक्षी एवं वैष्णवी, द्वितीय स्थान - जीजीआईसी की पलक एवं आयत, तृतीय स्थान - मिनर्वा रेज़ स्कूल की आरोही एवं दृष्टि कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। आयोजन की सफलता के लिए प्रतिभागी विद्यालयों, अभिभावकों, निर्णायकों, अतिथियों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया गया। यह प्रतियोगिता न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने में सफल रही, बल्कि कुमाऊँ की लोक-सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार की दिशा में भी एक सार्थक पहल सिद्ध हुई।

एक नजर

चारधाम यात्रा के लिए 2993 यात्रियों ने कराया पंजीकरण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में बनाए गए यात्री पंजीकरण केंद्र में चारधाम यात्रा के लिए 2993 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। पंजीकरण केंद्र पर यात्रियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। यमुनोत्री धाम के लिए 613, गंगोत्री धाम के लिए 627, केदारनाथ धाम के लिए 869, बद्रीनाथ धाम के लिए 858, हेमकुंड साहिब के लिए 26 यात्रियों ने अपना पंजीकरण कराया। इस तरह विभिन्न राज्यों से आए 2993 यात्रियों द्वारा चारधाम के लिए अपना पंजीकरण कराया गया। ऋषिकुल मैदान यात्री पंजीकरण केंद्र से अब तक कुल 4 लाख 37 हजार 9 सौ 30 यात्री चारधाम यात्रा के लिए अपना पंजीकरण कर चुके है।

गुरू अर्जुन देव के शहीदी दिवस पर बांटा ठंडा शरबत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। गुरु अर्जुन देव के शहीदी दिवस के अवसर पर राहगीरों को उमस भरी गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से निर्मल वर्ग ग्राम उद्योग सेवा संस्थान एवं व्यापारियों ने रानीपुर मोड़ पर छबील लगाकर ठंडा शरबत वितरित किया। संस्था के अध्यक्ष सुधीर प्रकाश गुप्ता, उपाध्यक्ष अमित भूषण, कोषाध्यक्ष राघवेंद्र शर्मा, व्यापारी अनूप सिंह सिद्धू ने शरबत वितरित करने में सहयोग प्रदान किया। निर्मल वर्ग ग्राम उद्योग सेवा संस्थान के अध्यक्ष सुधीर प्रकाश गुप्ता ने कहा कि मानव सेवा परम धर्म है। संस्था लगातार सामाजिक दायित्वों का निर्वहन कर रही है। गुरू अर्जुन देव के शहीदी दिवस पर लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत देने के उद्देश्य से ठंडा शरबत वितरित किया गया है। उन्होंने कहा कि गुरु अर्जन देव के शहीदी दिवस पर मानव कल्याण एवं सहयोग की प्रेरणा मिलती है। सभी को उनके आदर्शों को अपनाकर समाज सेवा में योगदान देना चाहिए। अनूप सिंह सिद्धू ने कहा कि गर्मी में प्यासे को ठंडा जल पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। व्यापारी लगातार सेवा कार्यों में सहयोग प्रदान करते हैं।

शिवालिकनगर में तेज रफ्तार कार का कहर, भाजपा नेता विकास गोयल की मौत

पथ प्रवाह, हरिद्वार। शिवालिकनगर क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार कार ने घर के बाहर पौधों में पानी दे रहे भाजपा नेता विकास गोयल को कुचल दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल विकास गोयल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मृतक की पत्नी की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और वाहन नंबर के आधार पर आरोपी की पहचान करने में जुटी है और उसकी तलाश जारी है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के अनुपालन में लापरवाही पर जिलाधिकारी मयूर दीक्षित सख्त

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

नोडल अधिकारी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन/परियोजन निदेशक नलिनीत घिल्डियाल ने बताया कि जनपद में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन न होने को लेकर जिलाधिकारी ने विभिन्न विभागों और निकायों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों से अब तक की गई कार्यवाही की रिपोर्ट तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

नोडल अधिकारी ठोस अपशिष्ट ने संबंधित अधिकारियों को शक्त हिदायत दी है कि सभी अधिकारी जिलाधिकारी के आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित करें तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए की जा रही कार्यवाही की रिपोर्ट प्रतिदिन समय से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए रिपोर्ट उपलब्ध न होने करने की दशा में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

नगर निगम हरिद्वार एवं रुड़की सहित सभी नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों को घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था सुनिश्चित करने, गीले एवं सूखे कचरे का पृथक संग्रहण, बंद कचरा परिवहन प्रणाली लागू करने तथा कचरा फेंकने के संवेदनशील स्थलों की पहचान कर स्थायी समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही विरासत

अपशिष्ट डंपसाइटों के वैज्ञानिक उपचार, प्रत्येक वार्ड में आरआरआर (रिड्यूस-रीयूज-रीसायकल) केंद्र स्थापित करने तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में भी होगा सख्त अनुपालन

जिला पंचायत, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं सभी खंड विकास अधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजनाएं तैयार करने, स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण लागू करने तथा खुले में कचरा फेंकने और जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक विकास खंड में नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने और साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने को कहा गया है।

विद्यालयों और सामाजिक संगठनों की भी होगी भागीदारी

मुख्य शिक्षा अधिकारी को सभी विद्यालयों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और समाज कल्याण विभाग को जन-जागरूकता अभियान चलाने, वार्ड स्तरीय स्वच्छता समितियों के गठन में सहयोग देने तथा जनता की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष अभियान संचालित करने को कहा गया है।

वन क्षेत्रों में विशेष निगरानी

वन विभाग एवं उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को वन क्षेत्रों, नदी तटों, राजाजी टाइगर रिजर्व की सीमाओं तथा अन्य पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्रों में अवैध कचरा डंपिंग रोकने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकृत और अनधिकृत कचरा स्थलों का नियमित निरीक्षण कर फोटोग्राफिक साक्ष्य सहित रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय को प्रस्तुत करने को कहा गया है।

मनसा देवी पैदल मार्ग पर श्रद्धालु की सुविधा और सुरक्षा के लिए उठाएं प्रभावी कदम : विपिन गुप्ता

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शहर व्यापार मंडल ज्वालापुर के अध्यक्ष विपिन गुप्ता ने वन विभाग के वार्डन के नाम ज्ञापन देकर मनसा देवी पैदल मार्ग पर व्याप्त अव्यवस्थाओं को दूर कर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उचित व्यवस्थाएं करने की मांग की है।

ज्ञापन की प्रति जिलाधिकारी को भी प्रेषित की गयी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान विपिन गुप्ता ने कहा कि मनसा देवी मंदिर में दर्शन के लिए प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं। लेकिन खेद का विषय है कि मंदिर जाने वाले पैदल मार्ग पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है तथा उनकी सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है। विपिन गुप्ता ने कहा कि मार्ग

पर स्वच्छत पेयजल उपलब्ध कराए जाए। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में शौचालयों की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि पैदल मार्ग पर किसी भी स्थान पर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र उपलब्ध नहीं है। यदि किसी श्रद्धालु की अचानक तबियत खराब होने अथवा अन्य आपात स्थिति उत्पन्न होने तो तत्काल सहायता उपलब्ध नहीं हो पाती है। अतः मार्ग पर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र, प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मी तथा कम से कम एक एम्बुलेंस की स्थायी व्यवस्था की जानी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि कई स्थानों पर अनधिकृत एवं जोखिमपूर्ण शॉर्टकट रास्ते खुले हुए हैं। जिससे हमेशा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इन मार्गों को तत्काल बंद कर बैरिकेडिंग एवं सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित की जानी चाहिए। पूरे पैदल मार्ग पर कहीं भी सीसीटीवी कैमरे नही है। सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ कोई घटना घटित होने पर पुलिस को भी मदद मिलेगी।

कुंभ मेला-2027: अपर मेलाधिकारी ने निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण, दक्षद्वीप क्षेत्र में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण अंतिम चरण में

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी कुंभ मेले को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कुंभ नगरी में बड़े पैमाने पर अवस्थापना सुविधाओं का तेजी से विकास किया जा रहा है। कुंभ मेले के लिए स्वीकृत निर्माण कार्य चरणबद्ध रूप से पूर्णता की ओर बढ़ रहे हैं। मेला क्षेत्र में सड़क, पुल, पार्किंग एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के लिए मेला प्रशासन लगातार निगरानी कर रहा है।

इसी क्रम में गुरुवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने बैरागीवाला एवं श्रीयंत्र क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण कर कुंभ मेला मद से संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाएं, ताकि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। निरीक्षण के दौरान अपर

मेलाधिकारी ने दक्षद्वीप क्षेत्र में वन विभाग के माध्यम से परियोजना क्रियान्वयन इकाई, सिंचाई विभाग द्वारा निर्मित कराई जा रही इंटरलॉकिंग सड़क का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने उन्हें अवगत कराया कि परियोजना का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। इस पर उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं अभियंताओं की सराहना की तथा शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। कुंभ मेला मद से बैरागी कैंप से श्रीयंत्र मंदिर को जोड़ने वाले मार्ग पर दक्षद्वीप के वन क्षेत्रांतर्गत लगभग 650 मीटर लंबाई में कच्ची सड़क का सुधार कर इंटरलॉकिंग सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। कुंभ मेले के दौरान यह मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण रहेगा। इस क्षेत्र में विभिन्न अखाड़ों एवं धार्मिक संस्थाओं के शिविर स्थापित किए जाएंगे, वहीं पार्किंग स्थलों और वैकल्पिक यातायात मार्गों के संचालन में भी यह सड़क महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इसके अलावा कनखल क्षेत्र तक सुगम आवागमन सुनिश्चित करने में भी यह मार्ग सहायक सिद्ध होगा।

इस परियोजना के लिए शासन द्वारा 46.47 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। मौके पर उपस्थित सिंचाई विभाग के अभियंताओं ने बताया कि सड़क निर्माण का शेष कार्य आगामी दस दिनों के भीतर पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके उपरांत अपर मेलाधिकारी ने दक्षद्वीप एवं बैरागी कैंप को जोड़ने के लिए मायापुर स्केप चैनल पर निर्माणाधीन 60 मीटर स्पान के बो-स्ट्रिंग स्टील गर्डर पुल का भी निरीक्षण किया। पूर्व से निर्मित पुल के समानांतर बनाए जा रहे इस पुल के निर्माण से कुंभ मेले के दौरान बढ़ने वाले यातायात दबाव को कम करने में सहायता मिलेगी तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को अधिक सुरक्षित एवं सुगम बनाया जा सकेगा। निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था एवं अनुबंधित फर्म के प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए सभी आवश्यक संसाधनों एवं मानवबल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं एजेंसियों की जवाबदेही तय करते हुए शासन को आवश्यक कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा। इस दौरान मेला अधिष्ठान की तकनीकी सेल के अधिशासी अभियंता अनुभव नौटियाल सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

एक नजर

मेयर किरण जैसल ने किया वार्ड 14 में सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मेयर किरण जैसल ने नारियल फोड़कर वार्ड 14 ऋषिकुल क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य का उद्घाटन किया। इस दौरान भाजपा नेता मुकेश कौशिक और पार्षद ललित सिंह रावत भी मौजूद रहे। मेयर किरण जैसल ने कहा कि वार्ड वासियों की समस्याओं को हल करना उनकी पहली प्राथमिकता है। जनसमस्याओं का निराकरण कर लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम की योजनाओं को प्रमुखता से लागू किया जा रहा है। मेयर ने कहा कि भाजपा सरकार जनहित में अनेक विकास योजनाएं संचालित कर रही है। जिनका लाभ आम लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि काफी समय से क्षेत्र के लोग सड़क निर्माण की मांग कर रहे थे। सड़क बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। मेयर ने बताया कि वार्डों में बिजली, पानी और सफाई व्यवस्था को बेहतर किया जा रहा है। समस्याओं का संज्ञान लेकर भाजपा प्रतिनिधि भी लगातार सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के प्रत्येक वार्ड को आदर्श रूप में स्थापित करना उनका लक्ष्य है। भाजपा नेता मुकेश कौशिक ने कहा कि हरिद्वार का समग्र विकास करना ही भाजपा की प्राथमिकता है। पार्षद ललित सिंह रावत ने मेयर किरण जैसल का आभार जताते हुए कहा कि जनसमस्याओं के निराकरण में मेयर की निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। पार्षद भी अपने-अपने वार्ड की समस्याओं को हल करने में मेयर का सहयोग कर रहे हैं। इस दौरान संजना शर्मा, मंगू सिंह, रणजीत सिंह, दीपक नौटियाल, कमल कौर, पूजा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

मेयर किरण जैसल ने किया भूपतवाला में नाला सफाई कार्य का निरीक्षण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मेयर किरण जैसल ने भूपतवाला में गौकर्ण धाम के पास केले वाली पुलिया तथा अन्य नालों के सफाई कार्य का औचक निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि विदित शर्मा भी मौजूद रहे। मेयर किरण जैसल ने कहा कि बरसात के सीजन को देखते नगर निगम अलर्ट मोड पर है। बरसात होने पर कहीं भी जलभराव की समस्या ना हो। इसके लिए शहर के सभी छोटे बड़े नालों की तली झाड़ सफाई करायी जा रही है। मेयर ने कहा कि भूपतवाला यात्री बाहुल्य क्षेत्र है। चारधाम यात्रा व कांवड़ मेले में क्षेत्र में श्रृद्धालुओं की भारी भीड़ का दबाव रहता है। इसलिए आगामी बरसात के सीजन व कांवड़ मेला शुरू होने से पूर्व क्षेत्र के समस्त नालों की सफाई करायी जा रही है। जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

आयुर्वेदिक महाविद्यालय ऋषिकुल मैदान में आयोजित होने वाले योग शिविर की तैयारियों की सीडीओ ने सौंपी जिम्मेदारी

हरिद्वार, 18 जून: आगामी 21 जून 2026 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद हरिद्वार में आयोजित होने वाले भव्य योग शिविर कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई ।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि 21 जून को प्रातः 6:00 बजे से आयुर्वेदिक महाविद्यालय ऋषिकुल के मैदान में योग शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के आयुष मंत्री मदन कौशिक तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हरिद्वार नगर निगम की मेयर किरण जैसल उपस्थित रहेंगी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पंडाल एवं बैठने की व्यवस्था लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा कराई जाएगी। आकस्मिक स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए स्वास्थ्य विभाग को दो एंबुलेंस तथा चिकित्सकों की टीम उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं आयोजन स्थल पर साफ-सफाई एवं मोबाइल शौचालयों की व्यवस्था नगर निगम हरिद्वार द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

आयोजित बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने विद्युत विभाग को आयोजन स्थल पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा जल संस्थान हरिद्वार को पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नगर मजिस्ट्रेट हरिद्वार को वीआईपी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि पार्किंग एवं यातायात व्यवस्था का दायित्व एसपी सिटी को दिया गया है।

मुख्य विकास अधिकारी ने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि योग शिविर में प्रतिभाग करने वाली स्कूली छात्राओं के आवागमन के लिए आवश्यक वाहन उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने बताया कि योग शिविर में लगभग एक हजार प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि योग शिविर के आयोजन की सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण कर ली जाएं तथा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य किया जाए।

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ.स्वास्तिक जैन को निर्देश दिए है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस शिविर कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वालों के लिये योगा मैट की व्यवस्था एवं जलपान की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाए। बैठक मुख्य चिकित्साधिकारी आर के सिंह, जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. स्वास्तिक जैन, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जनकल्याण शिविर में 512 आवेदन पत्रों का किया शत प्रतिशत निस्तारण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। जनपद हरिद्वार में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी एवं विकासपरक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में दिनांक 17 जून 2026 से 20 जून 2026 तक विभिन्न शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनकल्याण शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जा रहा है।

गुरूवार को नगर निगम रुड़की रुड़की में आयोजित शिविर में 23 आवेदन प्राप्त हुए जिनका सभी का मौके पर ही निस्तारण किया गया। नगर पालिका मंगलौर में 17 आवेदन प्राप्त हुए नगर पंचायत इमली खेड़ा में 29 आवेदन प्राप्त हुए, नगर पंचायत रामपुर में 20, विधानसभा खानपुर के पंचायत भवन कोटा कल्याणपुर में 22, पंचायत भवन मेवाड़ खुर्द ऊर्फ नागल में 15 आवेदन तथा विधानसभा लक्सर के पंचायत भवन बाहादरपुर खादर में 15, पंचायत निरंजनपुर में 20, भीकमपुर जीतपुर में 25, विधानसभा खानपुर के पंचायत भवन अकोड़ा कला में 11, पंचायत भवन रायसी में 19 आवेदन प्राप्त हुए, विधानसभा लक्सर के पंचायत भवन मौ. पुर बुजुर्ग में 22, पंचायत भवन सुलतानपुर आदमपुर में 25, एवं पंचायत भवन मुंडा खेड़ा कला में 23 आवेदन प्राप्त हुए। आयोजित जनकल्याण शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर ही निस्तारण किया गया। इन आयोजित जनकल्याण शिविर में 3357

क्षेत्रवासियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

आयोजित जनकल्याण शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए जिनमें आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, लखपति दीदी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ सहित अन्य योजनाओं से लाभान्वित करते हुए योजनाओं की जानकारी दी गयी। आयोजित शिविरों में खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी सहित संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

भारत की शिक्षा नीति पर राहुल गांधी का प्रहार

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को राजस्थान के कोटा शहर पहुंचे। कोटा वह केंद्र है जहां पर प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्र दसवीं के बाद से पहुंचना शुरू हो जाते हैं। 4 से 5 साल वह कोटा में कोचिंग लेते हैं। लाखों रुपए खर्च करते हैं। बड़े-बड़े सपने बुनते हैं। नीट परीक्षा में जो 1000 बच्चे कोटा से कोचिंग और प्रशिक्षण लेकर शामिल होते हैं, उनमें से कुछ ही बच्चों का चयन होता है। इसी तरह से अन्य प्रतियोगी परीक्षा, जिसमें यूपीएससी, जेईई, एसएससी, आरआरबी में हजारों छात्र, हर साल लाखों रुपए फीस में खर्च करते हैं। नीट की परीक्षा में 22 लाख परिवारों के लगभग 1.32 लाख करोड़ रुपए हर वर्ष खर्च हो जाते हैं। अन्य परीक्षाओं को भी यदि इसमें जोड़ दिया जाए, तो इसमें करीब 3.5 लाख करोड़ रुपए छात्र और उनके परिवारजन प्रतिवर्ष खर्च करते हैं। इस दौड़ में मात्र 1000 बच्चों में से 12 बच्चे ही सफल होते हैं। राहुल गांधी ने पहली बार छात्रों को यह समझाया है, करियर बनाने के लिए इनके अलावा भी और अन्य कई माध्यम हैं। जहां इससे बेहतर कैरियर बन सकता है। यदि सारे लोग एक ही जगह झुंड बनाकर जाएंगे, तो जो सिलेक्शन सिस्टम है, उसमें सफल लोगों की संख्या बहुत कम है। असफल लोगों की संख्या लाखों में है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली भारत के छात्रों के लिए कहीं से उपयुक्त नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं और वर्तमान शिक्षा प्रणाली ने पढ़ाई के नाम पर कमाई करना शुरू कर दी है। शिक्षा अब शिक्षा नहीं रह गई है, एक व्यवसाय बन गई है। सपने दिखाकर बाजारबाद के जरिए कॉलेज और कोचिंग की फीस के नाम पर 3.5 लाख करोड़ से ज्यादा की कमाई शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा की जा रही है। प्रतियोगी परीक्षाएं और भर्ती परीक्षा में जिस तरह की लूट और भ्रष्टाचार हो रहा है, उसने युवा पीढ़ी का भविष्य एक तरह से अंधकार में कर दिया है।

राहुल गांधी ने राजस्थान के कोटा में जाकर शिक्षा के व्यवसायीकरण पर जबरदस्त प्रहार किया है। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार के पांच मंत्रालयों का जितना बजट है, उतना पैसा सरकार कोचिंग संस्थान और शिक्षा के नाम पर जो कॉलेज चल रहे हैं, वह छात्रों से वसूल करके उन्हें परीक्षाओं की दौड़ में शामिल करते हैं। हजार में से महज 10 या 12 का चयन होता है। बाकी 989 छात्र इस दौड़ में असफल होते हैं। यह असफलता उन्हें हमेशा के लिए कुंठित कर देती है। यह व्यवस्था कहीं से भी ठीक नहीं है। उन्होंने कहा भारत सरकार की यह शिक्षा नीति बदलने की जरूरत है। छात्रों को भी अपनी सोच बदलने की जरूरत है। इतने सारे फील्ड हैं, किंतु आज का युवा अपना ध्यान मात्र डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, प्रोफेशनल और यूपीएससी के कुछ पदों तक सीमित रखता है। इसमें बदलाव करने की जरूरत है। राहुल गांधी पहले ऐसे राजनेता हैं, जिन्होंने बड़ी गंभीरता के साथ यह बात उन युवाओं के साथ चर्चा में साझा की है, जो इस शोषण के शिकार हैं। हाल ही में चीन ने 12000 से ज्यादा डिग्री कोर्स बंद करने की घोषणा की है। चीन ने शिक्षा पद्धति में बड़े बदलाव किए हैं। वहां पर विभिन्न क्षेत्रों प्रोफेशनल हर 3 साल में कोर्स बनाते हैं, पढ़ाई कराते हैं। उनके लिए नौकरी और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कुछ क्षेत्रों को सीमित करके बड़े-बड़े सपने दिखाये जाते हैं।

भारत में शिक्षा का व्यवसायीकरण कर दिया गया है। बड़े-बड़े पूंजीपति शिक्षा के व्यापार में शामिल हो गए हैं। जो कमाई तो बहुत कर रहे हैं, लेकिन युवाओं को डिप्रेशन और बेरोजगारी की ओर ढकेलने का काम कर रहे हैं। भारत के करोड़ों युवा वर्षों से ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेकर भी बेरोजगार हैं। उन्हें 15 से 20000 रूपये की नौकरी भी नहीं मिल रही है। जब उनकी पढ़ाई का खर्च पूछा जाता है, तो वह लाखों रुपए का है। राहुल गांधी ने युवाओं के भविष्य, नौकरी और रोजगार को लेकर जो मुहिम शुरू की है। निश्चित रूप से यह समय की जरूरत है।

लोकतांत्रिक, सामाजिक न्याय योद्धा की एक यात्रा

विनोद सेन

भारतीय राजनीति में कुछ विरले व्यक्तित्व ऐसे होते हैं, जिनका मूल्यांकन केवल चुनावी जीत और हार के आधार पर नहीं किया जा सकता। उनके राजनीतिक जीवन को समझने के लिए उनके संघर्ष, त्याग,तपस्या, बलिदान, उनके विचार, जनता के बीच उनकी सहभागिता और कठिन समय में उनके द्वारा चुने गए रास्तों को भी देखना पड़ता है। राहुल गांधी ऐसे ही नेताओं में से एक सामाजिक न्याय योद्धा हैं।

आज जब हम उनके सार्वजनिक जीवन की ओर देखते हैं, तो पाते हैं कि पिछले दो दशकों में शायद ही कोई ऐसा नेता रहा हो जिसने उतनी आलोचना, व्यक्तिगत हमले, उपहास और संगठित दुष्प्रचार झेला हो, जितना राहुल गांधी ने झेला है। उन्हें कभी अनुभवहीन कहा गया, कभी अनिच्छुक राजनेता बताया गया, तो कभी केवल उनके उपनाम के आधार पर उनके संपूर्ण राजनीतिक जीवन को परिभाषित करने का प्रयास किया गया। लेकिन लोकतंत्र में किसी भी व्यक्ति का अंतिम मूल्यांकन उसके नाम से नहीं, बल्कि उसके कर्मों, उसके संघर्षों और जनता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से होता है।

यह कटु सत्य है कि राहुल गांधी एक त्याग, तपस्या और बलिदानी, प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार से आते हैं। लेकिन यह भी उतना ही बड़ा सत्य है कि भारतीय राजनीति में अनेक दलों और विचारधाराओं के भीतर ऐसे नेता मौजूद हैं जिनकी प्रारंभिक पहचान पारिवारिक विरासत के कारण बनी। ऐसे में यदि वंशवाद आलोचना का आधार है, तो वही कसौटी सभी पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। लोकतंत्र में विरासत अवसर दे सकती है, लेकिन जनता का विश्वास लगातार संघर्ष और जनसेवा से ही अर्जित किया जा सकता है।

राहुल गांधी का राजनीतिक जीवन आसान नहीं रहा। उन्होंने सत्ता से अधिक संघर्ष किया है। लगातार चुनावी चुनौतियों, आलोचनाओं और व्यक्तिगत हमलों के बीच भी उन्होंने सार्वजनिक जीवन से दूरी नहीं बनाई। इसके विपरीत, उन्होंने भारत भूमि की सड़कों पर उतरकर जनता के बीच जाकर उनके दिलों में बसने का जो रास्ता चुना वह किसी सामाजिक न्याय योद्धा का ही रास्ता हो सकता है।

भारत जोड़ो यात्रा केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि देश की जनता से सीधे जुड़ने का एक रास्ता था उनकी परेशानियों को समझने का एक रास्ता था, किसानों, मजदूरों, दलितों, महिलाओं, युवाओं और छोटे बच्चों से सीधे संवाद कर उनके दुख दर्द को बांटने का एक संघर्षशील रास्ता था, कन्याकुमारी से कश्मीर तक हजारों किलोमीटर की इस पदयात्रा में राहुल गांधी ने भारत को नज़दीक से देखने और समझने का प्रयास किया। उन्होंने किसानों की परेशानी, युवाओं की बेरोज़गारी की चिंता, महिलाओं की समस्याओं को जाना, मजदूरों के संघर्षों को महसूस किया और उन लोगों तक पहुँचे जो राजनीतिक विमर्श के केंद्र में भी नहीं होते। उसके बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के मुद्दों को राष्ट्रीय चर्चा का विषय बनाया।

उनके समर्थकों का मानना है कि राहुल गांधी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी समझौते का रास्ता नहीं चुना। उन्होंने बार-बार सत्ता से सवाल पूछे–चाहे वह महंगाई का मुद्दा हो, बेरोज़गारी का, किसानों की समस्याओं का, सामाजिक न्याय का या लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का। उन्होंने संसद के भीतर और बाहर दोनों जगह अपनी बात रखी और विपक्ष की भूमिका को केवल औपचारिकता बनने नहीं दिया। जनता की आवाज को पूरी ताकत के साथ संसद में मुखरता से उठाया।

राहुल गांधी के राजनीतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष उनका जनसंपर्क भी रहा है। महाराष्ट्र के यवतमाल में किसान विधवा कलावती के घर जाना, भट्टा पारसौल के किसानों के आंदोलन में उनकी आवाज़ बनना, ओडिशा के कालाहांडी में आदिवासियों के संघर्ष के साथ खड़ा होना, श्रावस्ती, अमेठी और देश के अन्य हिस्सों में दलित परिवारों तक पहुँचना, ये दर्शाती हैं कि उन्होंने राजनीति को केवल सत्ता के गलियारों तक सीमित नहीं रखा। बल्कि सच्ची संवेदना और प्रभावितों को न्याय ही उनका पहला लक्ष्य रहा है।

उनके आलोचक उनकी राजनीति से असहमत हो सकते हैं, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि जिस नेता की छवि को प्रभावित करने के लिए वर्षों तक बड़े पैमाने पर अभियान चलाना पड़े, जिसके हर बयान पर राष्ट्रीय बहस छिड़ जाए, जिसकी यात्राएँ सत्ता पक्ष के लिए चुनौती बन जाएँ और जिसकी एक टिप्पणी पर पूरी सरकार को प्रतिक्रिया देनी पड़े, उसकी राजनीतिक प्रासंगिकता को नकारना आसान नहीं होता।

नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी ने लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को लगातार रेखांकित किया है। उनका मानना रहा है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि संविधान, संस्थाओं और नागरिक अधिकारों की रक्षा का भी दायित्व है। उन्होंने अनेक अवसरों पर संविधान को हाथ में लेकर यह संदेश दिया कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसका लोकतांत्रिक ढांचा और समानता का सिद्धांत है।

ढृह्यष्ठढ्ढ गठबंधन की बैठकों में दिए गए अपने भाषणों में उन्होंने कांग्रेस को केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक प्रतिरोध की परंपरा बताया। उनका कहना रहा कि कांग्रेस की जड़ें स्वतंत्रता आंदोलन में हैं और उसका मूल उद्देश्य भारत की विविधता, समानता और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करना है। उन्होंने अपने सहयोगियों से भी आह्वान किया कि यह समय आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होने का है।

पप्पू से जननायक तक: राहुल गांधी का नया सियासी अवतार

दिलीप कुमार पाठक

भारतीय राजनीति में शायद ही किसी नेता ने छवि के मोर्चे पर इतने उतार-चढ़ाव देखे होंगे जितने राहुल गांधी ने देखे हैं। एक दौर था जब विरोधियों ने उन्हें पप्पू कहकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग की हदें पार कर दी थीं। लेकिन आज, जब वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की कुर्सी पर हैं, तो उनकी राजनीति में एक अलग परिपक्वता दिखाई देती है। हाल ही में राजस्थान के कोटा से शुरू हुआ उनका छात्रों की गूंज आंदोलन और पेपर लीक के खिलाफ उनका आक्रामक रुख यह साफ करता है कि राहुल गांधी अब सिर्फ विरासत की राजनीति नहीं कर रहे, बल्कि सड़क और संसद दोनों जगह जनता की नब्ज पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। राहुल गांधी के इस राजनीतिक सफर को दो हिस्सों में देखा जा सकता है - पहला भारत जोड़ो यात्रा से पहले का और दूसरा उसके बाद का। कन्याकुमारी से कश्मीर और फिर मणिपुर से मुंबई तक की यात्राओं ने राहुल गांधी की पूरी छवि को बदल कर रख दिया। इन यात्राओं ने उन्हें बंद कमरों की वातानुकूलित राजनीति से निकालकर तपती धूप और आम लोगों के बीच ला खड़ा किया। जब वे ट्रक ड्राइवरों, कुली भाइयों, मैकेनिकों और आम बेरोजगार युवाओं से गले मिलते दिखे, तो जनता को उनमें एक ऐसा नेता नजर आने लगा जो उनकी बात सुनने के लिए तैयार था। यही कारण है कि आज मीडिया और जनता उन्हें एक गंभीर राजनेता के रूप में देखने लगी है। आज देश का युवा बेरोजगारी और पेपर लीक जैसी समस्याओं से जूझ रहा है। नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में हुई धांधली ने छात्रों के भविष्य पर सवालिया निशान लगा दिया है। ऐसे समय में राहुल गांधी ने सीधे छात्रों के बीच जाकर उनकी आवाज को उठाया है। जब सरकार ने तकनीकी कारणों से टेलीग्राम जैसी ऐप पर पाबंदी लगाने की कोशिश की, तो राहुल ने खुलकर कहा कि हमला पेपर लीक माफिया पर होना चाहिए, छात्रों के प्लेटफॉर्म पर नहीं। कोटा की गलियों से शुरू हुई छात्रों की गूंज ने यह साबित किया है कि राहुल अब युवाओं के मुद्दों को अपनी राजनीति का मुख्य हथियार बना चुके हैं। संसद में विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी के तेवर बदले हुए हैं। वे अब सिर्फ सरकार के फैसलों का विरोध नहीं करते, बल्कि आंकड़ों और तर्कों के साथ सरकार को घेरते हैं, कई बार तो पूरी सरकार के मंत्री, प्रधानमंत्री अकेले राहुल के सवालों के जवाब नहीं दे पाते। ईवीएम की विश्वसनीयता से लेकर देश के आर्थिक फैसलों और कॉरपोरेट एकाधिकार पर उनके सीधे सवाल सरकार को असहज करते हैं। इंडिया गठबंधन को एक साथ बांधकर रखना और विपक्ष की बिखरती हुई ताकतों को एक मंच पर लाना और यह कहना की मैं शिव की तरह सारा ज़हर पी लूँगा, लेकिन गठबंधन को टूटने नहीं दूँगा.... अब तो लगभग -लगभग सारे के सारे नेता राहुल को इंडिया ब्लॉक में मान ही चुके हैं.. यह उनकी एक बड़ी कूटनीतिक जीत मानी जा सकती है। आज के दौर में राहुल गांधी को ना तो कोई खारिज कर सकता है और ना ही उनकी अनदेखी कर सकता है। वे केवल एक बड़े राजनीतिक परिवार के वारिस नहीं हैं, बल्कि वे एक ऐसे नेता के रूप में उभर चुके हैं जो देश के युवाओं, दलितों, पिछड़ों और शोषितों की आवाज बनने का दम रखता है।

एआई तकनीक बदल रही रोजगार की दुनियां

अंकित जैन

भारत की अर्थव्यवस्था एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कृषि प्रधान अर्थव्यवस्था से औद्योगिक और सेवा आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ चुके भारत में, अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी-एआई) नई आर्थिक क्रांति का आधार बनती दिखाई दे रही है। आने वाले दो से तीन वर्षों में एआई तकनीक का प्रभाव रोजगार, शिक्षा, उद्योग, व्यापार और प्रशासन के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देगा। विशेषज्ञों का मानना है, भारत की आर्थिक प्रगति में सर्विस सेक्टर की भूमिका और अधिक बढ़ेगी तथा रोजगार का बड़ा हिस्सा एआई समर्थित सेवाओं से जुड़ा होगा।

आज बैंकिंग, स्वास्थ्य, शिक्षा, परिवहन, ई-कॉमर्स, मीडिया, कृषि और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में एआई आधारित उपकरणों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। पहले जिन कार्यों को करने के लिए बड़ी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता होती थी, अब उनमें से कई कार्य स्वचालित उपकरणों के द्वारा किए जा रहे हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि रोजगार समाप्त हो जाएंगे, बल्कि रोजगार का स्वरूप बदल जाएगा। पारंपरिक कार्यों की जगह ऐसे लोगों की मांग बढ़ेगी जो एआई आधारित तकनीक में कार्य का संचालन, रख-रखाव, विश्लेषण और प्रबंधन कर सकें।

भारत में बड़ी संख्या में एआई आधारित मशीनें, रोबोटिक उपकरण, स्मार्ट सेंसर, स्वचालित उत्पादन प्रणाली और डिजिटल सेवा से संबंधित उपकरण आयात किए जाएंगे। इन उपकरणों के संचालन, मरम्मत, निगरानी, डेटा विश्लेषण और तकनीकी सहायता के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन की आवश्यकता होगी। परिणामस्वरूप सर्विस सेक्टर में नए प्रकार की नौकरियां पैदा होंगी। तकनीकी सहायता विशेषज्ञ, एआई ऑपरेटर, डेटा विश्लेषक, डिजिटल सलाहकार, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और स्मार्ट सिस्टम प्रबंधक जैसे पदों की मांग लगातार बढ़ेगी। शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव

शिक्षा क्षेत्र में भी व्यापक बदलाव दिखाई दे रहे हैं। लंबे समय तक डिग्री आधारित शिक्षा को रोजगार का आधार माना जाता रहा है। अब उद्योग जगत सहित सभी क्षेत्रों में कौशल आधारित मानव संसाधन को अधिक महत्व मिल रहा है। किसी शैक्षणिक संस्थान से केवल डिग्री प्राप्त कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि किसी व्यक्ति की वास्तविक उपयोगिता इस बात से तय होगी, वह अपने कार्यक्षेत्र में एआई आधारित उपकरणों और तकनीकों का कितना प्रभावी उपयोग अपने कार्य में कर सकता है। यही कारण है कि तकनीकी प्रशिक्षण, अल्पकालिक कौशल पाठ्यक्रम, डिजिटल साक्षरता और व्यावहारिक शिक्षा का महत्व लगातार बढ़ रहा है। रोजगार और नौकरी में वही सफल होंगे जो अपने कार्यों में जिम्मेदारी के साथ दक्ष होंगे।

असंगठित क्षेत्र, जो भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता माना जाता है। वह भी इस परिवर्तन से अछूता नहीं रहेगा। छोटे दुकानदार, कुटीर उद्योग, परिवहन सेवाएं, कृषि आधारित व्यवसाय, स्थानीय सेवा प्रदाता और स्वरोजगार से जुड़े लोग भी एआई आधारित डिजिटल उपकरणों का उपयोग बहुतायत में करने लगेंगे। ऑनलाइन भुगतान, स्मार्ट लेखांकन, डिजिटल विपणन, ग्राहक प्रबंधन और स्वचालित व्यावसायिक प्रणालियां असंगठित क्षेत्र की कार्यशैली को बदलाव लाएंगी। हालांकि इस क्षेत्र के सटीक आर्थिक आंकड़े उपलब्ध नहीं होने के कारण इसके वास्तविक प्रभाव का अनुमान लगाना कठिन है। फिर भी स्पष्ट है, कि एआई का विस्तार हर क्षेत्र में तेजी से होगा।

एआई तकनीकि के तरह-तरह के उपकरण घरों में बहुतायत से बढ़ेंगे

भारत जैसे युवा देश के लिए यह परिवर्तन अवसर और चुनौती दोनों लेकर आया है। जिन लोगों के पास नई तकनीकों को सीखने और अपनाने की क्षमता होगी, उनके लिए रोजगार के नए अवसर भारत सहित दुनिया के अन्य देशों में भी खुलेंगे। भारत सबसे बड़ी ययुवा आबादी वाला देश है। सर्विस सेक्टर में सारी दुनिया में दक्ष व्यक्तियों की मांग बढ़ेगी। दूसरी ओर, जो लोग तकनीकी बदलावों के अनुरूप स्वयं को विकसित नहीं कर पाएंगे, उनके लिए प्रतिस्पर्धा कठिन हो जाएगी। इसलिए सरकार, उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों को मिलकर कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना होगा।

आर्थिक दृष्टि से देखा जाए तो सेवा क्षेत्र में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में सबसे बड़ा योगदान है। एआई आधारित तकनीकी के विस्तार के साथ बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवाएं, कृषि, शिक्षा, पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, लॉजिस्टिक्स, ई-गवर्नेंस और डिजिटल व्यापार जैसे क्षेत्रों में तेज वृद्धि की संभावना है। इससे सेवा क्षेत्र की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी। आने वाले वर्षों में रोजगार की परिभाषा भी बदलती दिखाई देगी। स्थायी नौकरी के साथ-साथ फ्रीलांस कार्य, डिजिटल सेवाएं, ऑनलाइन परामर्श, दूरस्थ कार्य (रिमोट वर्क) और परियोजना आधारित रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ऐसे वातावरण में व्यक्ति की सफलता उसकी डिग्री से अधिक उसके कौशल, तकनीकी दक्षता और निरंतर सीखने की क्षमता पर निर्भर करेगी।

कुल मिलाकर, एआई तकनीक भारत के रोजगार और बाजार को पुनर्परिभाषित कर रही है। यह परिवर्तन केवल मशीनों का विस्तार नहीं, बल्कि मानव संसाधन की नई भूमिका का निर्माण है। यदि भारत समय रहते अपने युवाओं को एआई और डिजिटल कौशल से लैस कर पाता है, तो आने वाले वर्षों में सर्विस सेक्टर न केवल अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा स्तंभ बनेगा, बल्कि करोड़ों लोगों के लिए नए रोजगार और उद्यमिता के अवसर भी पैदा करेगा। भारत की अगली आर्थिक छलांग संभवतः एआई संचालित सेवा, अर्थव्यवस्था में ही दिखाई देगी। स्मार्ट फोन का उपयोग भारत का युवा कर रहा है। स्मार्ट फोन और एआई तकनीक की सहायता से रोजगार, व्यापार एवं सर्विस क्षेत्र में आर्थिक अवसर तेजी के साथ बढ़ेंगे।

एक नजर

राज्यपाल को भेंट किया पेंसिल स्केच और चांदी के सिक्के पर रंगीन फोटो

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। अल्मोड़ा में आयोजित एक समारोह में डॉ. प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी' ने राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) को अनूठे उपहार भेंट किए। डॉ. गोल्डी ने राज्यपाल का पेंसिल से बनाया हुआ स्केच और चांदी के सिक्के पर बना उनका रंगीन फोटो भेंट स्वरूप दिया। राज्यपाल ने दोनों कलाकृतियों को देखकर प्रसन्नता जताई। उन्होंने डॉ. अग्रवाल की कला की सराहना करते हुए उनकी धर्मपत्नी अनीता अग्रवाल को नगद पुरस्कार का लिफाफा प्रदान किया। डॉ. प्रमोद अग्रवाल 'गोल्डी' अल्मोड़ा के जाने-माने कलाकार हैं। वे इससे पहले भी कई विशिष्ट व्यक्तियों के स्केच और सिक्कों पर पोर्ट्रेट बना चुके हैं। उनकी बारीक कलाकारी के लिए उन्हें कई मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है। समारोह में मौजूद लोगों ने भी इन अनूठी कलाकृतियों की जमकर तारीफ की। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड की कला और संस्कृति को बढ़ावा देने वाले ऐसे कलाकार प्रदेश का गौरव हैं।

मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने गुरुवार को ज़िलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई बैठक के दौरान टीबी मुक्त भारत अभियान की कुछ जनपदों में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। मुख्य सचिव ने ऐसे जनपदों के मुख्य चिकित्सा अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि दिए जाने के निर्देश दिए हैं, जिनका मरीजों का सामान्य जाँच आंकलन प्रतिशत 60 प्रतिशत से कम रहा है।

मुख्य सचिव ने प्रदेश में टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा के दौरान कड़ी नाराजगी व्यक्त की। मुख्य सचिव ने अगले एक हफ्ते में मरीजों की सामान्य जाँच आंकलन कार्य को 100 प्रतिशत पूर्ण किये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इसके लिए उच्च संवेदनशील और जोखिम वाले गांवों को प्राथमिकता के आधार पर लिए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्य सचिव ने डीजी हेल्थ स्तर पर इस अभियान की प्रतिदिन समीक्षा और निगरानी किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कम स्क्रीनिंग वाले जनपदों पर विशेष ध्यान दिए जाने की बात कही। उन्होंने सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत स्क्रीनिंग बढ़ाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने टीबी मुक्त भारत अभियान को प्रभावी तरीके से संचालित किए जाने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने मातृ स्वास्थ्य के तहत् प्रसवपूर्व देखभाल में सुधार लाने के लिए गर्भावस्था की प्रथम तिमाही पर पंजीकरण बढ़ाए जाने पर विशेष ध्यान दिये जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इससे उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था का बेहतर प्रबंधन किया जा सकेगा। उन्होंने हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की पहचान और उनका बेहतर प्रबन्धन सुनिश्चित किए जाने हेतु आवश्यक कदम उठाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जनपदों में एएनसी जांच बढ़ाए जाने की बात भी कही। कहा कि सभी जनपदों में जन्म प्रतीक्षा गृहों की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग के वन स्टॉप सेंटर्स को भी इस हेतु प्रयोग किया जा सकता है।

मुख्य सचिव ने कहा कि मानसून सीजन के दृष्टिगत दूरस्थ क्षेत्रों में चिन्हित हाई-रिस्क महिलाओं को बर्थ वेटिंग होम्स में शिफ्ट किया जाए। हाई-रिस्क प्रेग्नेंसी और प्रसव के बाद हाई-रिस्क माताओं की पहचान और मैनेजमेंट को मज़बूत किया जाए, ताकि रोकी जा सकने वाली मातृ-मृत्यु दर को कम किया जा सके।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव एल. फैनाई, विशेष प्रमुख सचिव अमित सिन्हा, सचिव शैलेश बगौली, नितेश झा, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, चंद्रेश कुमार यादव, डॉ. आर. राजेश कुमार, बृजेश कुमार संत, विनय शंकर पाण्डेय, डॉ. एस. एन. पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन, आयुक्त दीपक रावत एवं आनन्द स्वरूप सहित जनपदों से जिलाधिकारी उपस्थित थे।

मंत्रिमंडल की बैठक में पूर्व सीएम बीसी खंडूड़ी और निशानेबाज जसपाल राणा को दी गई श्रद्धांजलि

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी एवं प्रसिद्ध निशानेबाज, पद्मश्री श्री जसपाल राणा के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। बैठक के प्रारंभ में मंत्रिमंडल के सदस्यों एवं अधिकारियों ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी ने प्रदेश के विकास, सुशासन एवं जनसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वहीं जसपाल राणा ने अपनी उत्कृष्ट खेल प्रतिभा से देश एवं प्रदेश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ किया योगाभ्यास

पथ प्रवाह, देहरादून।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री ने गुरुवार को आवास पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ योगाभ्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने नियमित योग को स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए सभी से इसे दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत की प्राचीन योग परंपरा को वैश्विक स्तर पर नई पहचान एवं सम्मान प्राप्त हुआ है। आज योग विश्वभर में स्वास्थ्य, मानसिक शांति एवं समग्र कल्याण के प्रभावी माध्यम के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिक शांति, आत्मानुशासन, सकारात्मक जीवनशैली तथा जीवन में संतुलन स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। योग व्यक्ति को तनावमुक्त, ऊर्जावान एवं स्वस्थ जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अधिकाधिक संख्या में योग कार्यक्रमों में प्रतिभाग करने तथा योग को जन-जन तक पहुंचाने में योगदान देने का आग्रह किया।

जागेश्वर धाम पहुंचे राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह, मुख्य पुजारी ने संपन्न कराई पूजा-अर्चना

पथ प्रवाह, जागेश्वर (अल्मोड़ा)। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह अपने धार्मिक प्रवास के दौरान जागेश्वर धाम पहुंचे। इससे पूर्व उन्होंने प्रसिद्ध चितई गोलू देवता मंदिर तथा वृद्ध जागेश्वर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। जागेश्वर धाम पहुंचने पर राज्यपाल का पारंपरिक रूप से स्वागत किया गया। इस दौरान धाम के मुख्य पुजारी महामंडलेश्वर कैलाशानंद महाराज, पंडित लक्ष्मी दत्त भट्ट, आचार्य ललित भट्ट, आचार्य तारा भट्ट, आचार्य निर्मल भट्ट, आचार्य हंशादत्त भट्ट सहित 11 अन्य आचार्य पुरोहितो ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ राज्यपाल की विशेष पूजा-अर्चना संपन्न कराई। राज्यपाल ने भगवान जागेश्वर के समक्ष प्रदेशवासियों के कल्याण, शांति एवं समृद्धि के लिए प्रार्थना की। अपने भ्रमण के दौरान राज्यपाल ने जागेश्वर धाम की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए इसे उत्तराखंड की अमूल्य धरोहर बताया। उन्होंने मंदिर परिसर एवं क्षेत्र की व्यवस्थाओं की जानकारी भी प्राप्त की। पूजा-अर्चना एवं दर्शन कार्यक्रम के उपरांत राज्यपाल ने जागेश्वर धाम में ही रात्रि विश्राम किया। उनके आगमन से क्षेत्र में उत्साह का वातावरण रहा तथा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों में विशेष उत्सुकता देखने को मिली। राज्यपाल के इस दौरे को जागेश्वर धाम की धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्ता को राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

नगर आयुक्त की समीक्षा बैठक में बल्क वेस्ट जनरेटर्स पर फोकस, कार्रवाई की तैयारी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के दृष्टिगत नगर निगम हरिद्वार में नगर आयुक्त नंदन कुमार की अध्यक्षता में नगर क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संबंधी एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप नगर आयुक्त दीपक गोस्वामी, मुख्य सफाई निरीक्षक संजय शर्मा, अर्जुन सिंह, मनोज कुमार, धीरेंद्र सेमवाल, विकास झाझर, सुरेंद्र कुमार तथा एसबीएम विशेषज्ञ मनीष दुबे उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत गार्बेज फ्री सिटी (GFC) एवं वॉटर प्लस मानकों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा नगर निगम की रैंकिंग में सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। नगर आयुक्त द्वारा विशेष रूप से बल्क वेस्ट जनरेटर्स (Bulk Waste Generators) के अनुपालन की समीक्षा करते हुए सभी मुख्य सफाई निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित बल्क वेस्ट जनरेटर्स को निर्धारित प्रारूप पर नोटिस जारी करने तथा उनका ऑनलाइन पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार अपने स्तर पर गीले कचरे का निस्तारण न करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटर्स के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी संबंधित इकाइयों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन पंजीकरण कराने के लिए भी निर्देशित किया गया।

एसबीएम विशेषज्ञ मनीष दुबे द्वारा जानकारी दी गई कि जिन संस्थानों अथवा इकाइयों द्वारा प्रतिदिन 100 किलोग्राम या उससे अधिक ठोस अपशिष्ट उत्पन्न किया जाता है, अथवा जिनका क्षेत्रफल 20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक है, या जो प्रतिदिन 40,000 लीटर से अधिक जल का उपभोग करते हैं, उन्हें बल्क वेस्ट जनरेटर की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे सभी संस्थानों के लिए अपने परिसर में ही गीले कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण एवं ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। बैठक के दौरान नगर क्षेत्र की समग्र सफाई व्यवस्था एवं नाला सफाई कार्यों की भी समीक्षा की गई। सभी सफाई निरीक्षकों द्वारा अवगत कराया गया कि उनके क्षेत्रों में अधिकांश नालों की एक से अधिक बार सफाई कराई जा चुकी है, जबकि कुछ क्षेत्रों में निविदा के माध्यम से नाला सफाई कार्य वर्तमान में प्रगति पर है। नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों को वर्षा ऋतु एवं आगामी आयोजनों को दृष्टिगत रखते हुए नालों की समयबद्ध सफाई तथा स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रत्येक स्तर पर उत्तरदायित्व तय किया जाएगा तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले बल्क वेस्ट जनरेटर्स के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय संत मार्गदर्शक मंडल उपवेशन की बैठक में हुआ राष्ट्र, धर्म, संस्कृति एवं मानवता के कल्याण के लिए मंथन

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

धर्मनगरी हरिद्वार स्थित निष्काम सेवा ट्रस्ट, भूपतवाला में विश्व हिन्दू परिषद के केन्द्रीय संत मार्गदर्शक मण्डल उपवेशन की दो दिवसीय बैठक गुरूवार को आध्यात्मिक गरिमा एवं राष्ट्रीय चेतना के वातावरण में प्रारम्भ हुई। भारतवर्ष के विविध पीठों, अखाड़ों, सम्प्रदायों एवं आध्यात्मिक परम्पराओं के शीर्षस्थ संत-महात्माओं एवं धर्माचार्यों की उपस्थिति में आयोजित यह बैठक राष्ट्र जीवन के समक्ष उपस्थित समसामयिक चुनौतियों, सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा लोककल्याण के विविध आयामों पर व्यापक चिंतन-मंथन का महत्वपूर्ण केंद्र बनी।

बैठक में हिन्दू समाज के संगठन, सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन, गौसंरक्षण, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, सेवा कार्यों के विस्तार, सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, युवा जागरण, धर्मांतरण की चुनौतियों, राष्ट्रीय एकात्मता तथा वैश्विक स्तर पर भारतीय आध्यात्मिक मूल्यों के प्रसार जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। संत समाज ने वर्तमान परिस्थितियों का गंभीर विश्लेषण करते हुए समाज को जागरूक, संगठित एवं संस्कारित बनाने के लिए व्यापक जनजागरण को समय की आवश्यकता बताया। संतों एवं धर्माचार्यों ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की आत्मा उसकी सनातन संस्कृति में निहित है और धर्म, सेवा, संस्कार तथा समरसता के आधार पर ही राष्ट्र का वास्तविक उत्थान संभव है। सनातन धर्म केवल एक धार्मिक परम्परा नहीं अपितु संपूर्ण मानवता को शांति, सद्भाव, करुणा, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व का संदेश देने वाली जीवन-पद्धति है। अतः इसके संरक्षण, संवर्धन और विश्वव्यापी प्रसार हेतु समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी भूमिका का उत्तरदायित्वपूर्वक निर्वहन करना चाहिए। संत समाज ने विश्व हिन्दू परिषद द्वारा सेवा, संगठन एवं संस्कार के माध्यम से संचालित विविध आयामों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान समय में संत शक्ति एवं सामाजिक संगठनों के समन्वित प्रयास ही राष्ट्रनिर्माण, लोकमंगल और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का आधार बन सकते हैं। बैठक में उपस्थित सभी संत-महात्माओं ने एक स्वर से संकल्प व्यक्त किया कि धर्म, संस्कृति, समाज और राष्ट्रहित के लिए संयुक्त रूप से कार्य करते हुए भारत को पुनः विश्व के आध्यात्मिक नेतृत्व के शिखर पर प्रतिष्ठित करने हेतु सतत प्रयास किए जाएंगे।

बैठक में जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज, महानिर्वाणी पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी विशोकानन्द भारती महाराज, ज्योतिषपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती महाराज, अटल पीठाधीश्वर आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी विश्वात्मानन्द महाराज, युगपुरुष स्वामी परमानन्द महाराज, निर्मल पीठाधीश्वर स्वामी ज्ञानदेव सिंह महाराज, पूज्या साध्वी ऋतंभरा जी, युधिष्ठिर महाराज शदाणी दरबार, महाराष्ट्र से स्वामी जितेन्द्रनाथ महाराज, शांतिकुञ्ज हरिद्वार के प्रमुख डॉ. चिन्मय पण्ड्या, साध्वी पूर्णप्रज्ञा जी, गुजरात कर्णावती के देवलाचार्य-अविचलाचार्य महाराज, अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जितेन्द्रानन्द सरस्वती महाराज, मुम्बई से डॉ. भदन्त राहुल बोधि, महामण्डलेश्वर संतोषी माता, गोवा के पद्मनाभ पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मेशानन्द महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द महाराज सहित अनेक प्रतिष्ठित संत-महात्माओं एवं धर्माचार्यों ने सहभागिता की। विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, अंतरराष्ट्रीय संरक्षक एवं केन्द्रीय प्रबन्ध समिति के वरिष्ठ सदस्य दिनेश जी, अंतरराष्ट्रीय महामंत्री संगठन मिलिंद परांडे, अंतरराष्ट्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं केंद्रीय मंत्री अशोक तिवारी, क्षेत्र संगठन मंत्री मुकेश विनायक, प्रांत संगठन मंत्री अजय कुमार, क्षेत्र संयोजक बजरंग दल अनुज वालिया, बलराम कपूर, सौरभ चौहान सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहे।

एक नजर

राज्यपाल ने विकास योजनाओं की समीक्षा की, योजनाबद्ध कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश

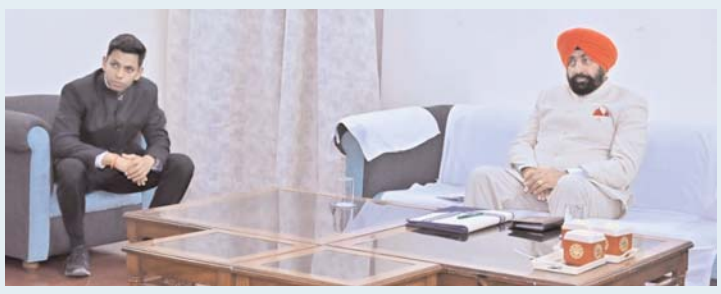

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने गुरुवार को सर्किट हाउस में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर विभिन्न विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को योजनाबद्ध एवं लक्ष्य आधारित कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने राज्यपाल को जनपद में संचालित विकास योजनाओं, पर्यटन विकास, आधारभूत संरचना सुदृढ़ीकरण तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी भी प्रस्तुत की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोड़के ने पुलिस विभाग की गतिविधियों, कानून व्यवस्था की स्थिति तथा जनसुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। राज्यपाल ने अधिकारियों को साइबर फ्रॉड की रोकथाम, नशा उन्मूलन, महिला स्वयं सहायता समूहों के सशक्तीकरण तथा पर्यटन विकास के क्षेत्र में विशेष गंभीरता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में प्रभावी प्रयासों से जनपद के समग्र विकास को नई गति मिलेगी। राज्यपाल ने विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और जनहित से जुड़े कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रामजीशरण शर्मा, प्रभागीय वनाधिकारी दीपक सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग से ओवरब्रिज तक, विकास कार्यों की समीक्षा में डीएम ने दिखाई सख्ती ; धीमी प्रगति पर अधिकारियों को चेतावनी

पथ प्रवाह, देहरादून। जिलाधिकारी डॉ0 आशीष चौहान ने ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जनपद में संचालित विभिन्न विकास योजनाओं एवं मुख्यमंत्री घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागवार कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने तथा प्रगति में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान शहर में संचालित सीवर लाइन, पेयजल लाइन एवं विद्युत लाइनों के अंडरग्राउंड कार्य कटिंग अनुमति न मिलने के कारण प्रभावित होने की जानकारी अधिकारियों द्वारा दी गई। इस पर जिलाधिकारी ने ऐसे सभी लंबित मामलों की विस्तृत सूची तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यक स्तर पर समन्वय स्थापित कर कार्यों को गति प्रदान की जा सके। जिलाधिकारी ने विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं प्रगति सुनिश्चित करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी को विभिन्न विभागों द्वारा संचालित कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति की आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग एवं स्थलीय सत्यापन से कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित की जा सकेगी। बैठक में मोहब्बेवाला क्षेत्र में ट्यूबवेल, ओवरहेड टैंक एवं राइजिंग मेन बिछाने के कार्यों में विलंब पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बैठक में उपस्थित जल संस्थान पित्थूवाला के संबंधित एई को वेतन रोकने की चेतावनी दी। दून एनक्लेव एक्सटेंशन क्षेत्र में प्रस्तावित नलकूप निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर भूमि चिन्हित करने के निर्देश दिए, ताकि परियोजना का कार्य समय पर प्रारंभ किया जा सके।

ऋतु खण्डूडी भूषण की पहल पर 135 करोड़ की सीवेज ट्रीटमेंट परियोजना

पथ प्रवाह, कोटद्वार

विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखंड एवं विधायक कोटद्वार श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने आज लकड़ीपड़ाव क्षेत्र में निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) एवं सीवरेज नेटवर्क परियोजना के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि कोटद्वार में लगभग ?135 करोड़ की लागत से नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तथा विस्तृत सीवरेज नेटवर्क की स्थापना का कार्य केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत किया जा रहा है। परियोजना के पूर्ण होने पर नगर क्षेत्र में सीवेज प्रबंधन की व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा गंगा एवं उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण से बचाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती ऋतु खण्डूडी भूषण ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में नमामि गंगे अभियान ने देशभर में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण को नई दिशा प्रदान की है। कोटद्वार में संचालित यह परियोजना न केवल नगर की स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करेगी, बल्कि आने वाले वर्षों की आवश्यकताओं को भी पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार एवं केंद्र सरकार के सहयोग से कोटद्वार में आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं सीवरेज नेटवर्क परियोजना के पूरा होने से नागरिकों को बेहतर स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिलेगा।

इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी अधिशासी अभियंता एस के वर्मा , ए ई दीपक वत्स , जे ई आशीष चमोली , विधायक प्रतिनिधि महेश नेगी। एवं कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केतन लाल हत्याकांडः पूर्व सांसद प्रदीप टम्टा ने पीड़ित परिवार को दिया आश्वासनः न्याय मिलने तक संघर्ष जारी

पथ प्रवाह, नई टिहरी

बहुचर्चित केतन लाल हत्याकांड को लेकर जनभावनाएं लगातार मुखर हैं। इसी क्रम में आज उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद प्रदीप टम्टा देवल पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत केतन लाल के परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि इस अपूरणीय क्षति की भरपाई संभव नहीं है, लेकिन न्याय दिलाने की लड़ाई में पूरा समाज और कांग्रेस परिवार उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

इसके उपरांत प्रदीप टम्टा ने घटना में घायल हुए युवक दिवाकर डिमरी के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार का मनोबल बढ़ाते हुए दिवाकर के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की तथा हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर प्रदीप टम्टा ने कहा कि केतन लाल की निर्मम हत्या केवल एक परिवार पर नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनाओं पर आघात है। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज में ऐसी घटनाएं स्वीकार्य नहीं हो सकतीं। उन्होंने अपील की कि इस दुखद घटना को किसी जातीय या सामाजिक दृष्टिकोण से देखने के बजाय न्याय और मानवता के नजरिए से देखा जाना चाहिए।

पूर्व सांसद ने कहा कि केतन लाल के परिवार के साथ समाज के सभी वर्गों के लोग एकजुट होकर खड़े हैं और सभी की एक ही मांग है कि दोषियों को शीघ्र एवं कठोरतम दंड मिले। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कानून अपना काम पूरी निष्पक्षता और तेजी के साथ करेगा तथा पीड़ित परिवार को न्याय अवश्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में समाज की एकजुटता ही पीड़ित परिवार की सबसे बड़ी ताकत है। न्याय मिलने तक सभी संवेदनशील लोग परिवार के साथ खड़े रहेंगे।

इस दौरान उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता एडवोकेट शांति प्रसाद भट्ट, प्रदेश सचिव विजयपाल रावत, अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रकाश एवं पूर्व नगर अध्यक्ष जय प्रकाश इन्दवाण सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बागेश्वर में बनेगा आधुनिक राज्य अतिथि गृह, मुख्यमंत्री धामी की घोषणा को मिली रफ्तार

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणाओं को धरातल पर उतारने की दिशा में राज्य संपत्ति विभाग ने बागेश्वर में प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह निर्माण परियोजना को गति दे दी है। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में गुरुवार को राज्य सचिवालय में सचिव आवास एवं राज्य सम्पत्ति विभाग डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें बागेश्वर के ग्राम ठेलापालन में प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में परियोजना के प्रस्तुतीकरण के बाद सचिव ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्तमान आवश्यकताओं के साथ-साथ भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत है, इसलिए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाए और निर्माण कार्य गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा हो।

45 नाली भूमि पर विकसित होगा अतिथि गृह

प्रस्तावित राज्य अतिथि गृह बागेश्वर तहसील के ग्राम ठेलापालन में लगभग 0.900 हेक्टेयर (45 नाली) भूमि पर विकसित किया जाएगा। पर्वतीय जनपदों में सरकारी कार्यक्रमों, वीआईपी आवागमन तथा प्रशासनिक गतिविधियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस अतिथि गृह का निर्माण किया जा रहा है। बैठक में परियोजना का प्रारंभिक खाका प्रस्तुत किया गया, जिसमें भवन की संरचना, आवश्यक सुविधाओं तथा भविष्य में संभावित विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा हुई। सचिव ने निर्देश दिए कि भवन को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया जाए ताकि यह आने वाले वर्षों की जरूरतों को भी पूरा कर सके।

भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर बनेगी डीपीआर

डॉ. आर. राजेश कुमार ने कार्यदायी संस्था प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, बागेश्वर के अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीपीआर में पर्याप्त संख्या में अतिथि कक्ष, बैठक कक्ष, प्रशासनिक कक्ष और अन्य आवश्यक सुविधाओं का समुचित प्रावधान किया जाए। उन्होंने कहा कि भवन केवल वर्तमान जरूरतों के लिए नहीं बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए तैयार किया जाना चाहिए।उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना का प्रत्येक पहलू तकनीकी मानकों के अनुरूप हो तथा निर्माण गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। डीपीआर को शीघ्र शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए ताकि स्वीकृति की प्रक्रिया समय पर पूरी की जा सके।

पार्किंग और आधुनिक सुविधाओं पर विशेष जोर

सचिव ने प्रस्तावित परिसर में पार्किंग क्षमता बढ़ाने की संभावनाएं तलाशने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य में अतिथि गृह में बढ़ने वाली गतिविधियों को देखते हुए पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था आवश्यक होगी। इसके साथ ही भवन में आवश्यक फर्नीचर, विद्युत उपकरण तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं को भी डीपीआर में शामिल करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी व्यवस्थाएं मितव्ययता के सिद्धांतों के अनुरूप हों, ताकि सरकारी संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।

सभी आवश्यक अनुमतियां साथ लगाने के निर्देश

सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि डीपीआर के साथ स्थल चयन समिति की रिपोर्ट तथा संबंधित जिला प्राधिकरण से प्राप्त ले-आउट स्वीकृति एवं अन्य आवश्यक अनुमोदन भी संलग्न किए जाएं। इससे परियोजना की स्वीकृति प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब नहीं होगा और निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि परियोजना के सभी दस्तावेज तकनीकी और प्रशासनिक दृष्टि से पूर्ण होने चाहिए ताकि शासन स्तर पर निर्णय लेने में आसानी हो।

उच्चस्तरीय अधिकारियों ने लिया भाग

शासन स्तर से अपर सचिव एवं राज्य सम्पत्ति अधिकारी लक्ष्मण सिंह, उप सचिव हनुमान प्रसाद तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं कार्यदायी संस्था की ओर से प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग बागेश्वर के अधिशासी अभियंता इंजी. एस.के. पाण्डे और सहायक अभियंता इंजी. तनीशा पांगती ने परियोजना का प्रस्तुतीकरण किया।

बैठक में यह स्पष्ट किया गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की विकासपरक सोच के अनुरूप बागेश्वर में बनने वाला यह राज्य अतिथि गृह न केवल प्रशासनिक गतिविधियों को नई सुविधा प्रदान करेगा, बल्कि जिले में आने वाले विशिष्ट अतिथियों और अधिकारियों के लिए भी आधुनिक एवं सुव्यवस्थित आवासीय व्यवस्था उपलब्ध कराएगा। सरकार की प्राथमिकता है कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरी हो और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए।

एक नजर

श्रद्धालु महिला का गुम हुआ पर्स वापस लौटाया

पथ प्रवाह, हरिद्वार। मुंबई निवासी एक श्रद्धालु महिला का खोया पर्स हरकी पैड़ी पर गुम हो गया। जिसे पुलिस ने तलाश कर वापस लौटा दिया। पर्स वापस मिलने पर महिला ने पुलिस का आभार जताया। हरकी पैड़ी पर गंगा स्नान एवं दर्शन के लिए आई मुंबई निवासी जयश्री कांतिलाल सोनी का पर्स भीड़भाड़ के दौरान गुम हो गया था। महिला ने हरकी पैड़ी चौकी पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तत्काल सक्रियता दिखाते हुए महिला का पर्स ढूंढ निकाला और महिला को चौकी बुलाकर सत्यापन के बाद पर्स उनके सुपुर्द कर दिया। पर्स वापस मिलने पर महिला जयश्री सोनी ने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

फायरिंग मामले में पिल्ला गैंग का सदस्य गिरफ्तार

पथ प्रवाह, हरिद्वार। कांवड़िए पर फायरिंग करने वाले पिल्ला गैंग के एक और सदस्य को कनखल कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से देशी तमंचा बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार बीती 1 जून को गुरुकुल कांगड़ी क्षेत्र में कांवड़ियों के साथ हुई कहासुनी के दौरान कुछ युवकों ने गाली गलौच एवं मारपीट करने के साथ फायरिंग कर दी थी। जिसमें गोली लगने से एक कांवड़िया घायल हो गया था। मुकदमा दर्ज करने के बाद कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इसी क्रम में पुलिस ने घटना में शामिल पिल्ला गैंग के एक और सदस्य सत्यम जाट पुत्र जबर सिंह निवासी शांतिपुरम कालोनी जगजीतपुर कनखल को घटना में प्रयुक्त तमंचे सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस टीम में एसआई महिपाल सिंह सैनी, हेडकांस्टेबल जितेन्द्र कुमार, कांस्टेबल संजू सैनी, उमेद सिंह शामिल रहे।

नहाते समय गंगा में बहा 9 साल का बालक

पथ प्रवाह, हरिद्वार। अपने परिजनों के साथ गंगा में नहा रहा एक 9 साल का बालक पानी के तेज बहाव में बह गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और रेस्क्यू टीम ने बालक की तलाश शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक गुरूवार को समय करीब 16.30 बजे डायल 112 द्वारा कॉलर मोबाइल नंबर 9410198048 द्वारा सूचना दी कि सप्तऋषि घाट भूपतवाला हरिद्वार पर कुश शर्मा पुत्र मुकेश शर्मा निवासी पुटकर थाना सुल्तानपुरी दिल्ली हाल पता पीठपुलिया जगजीतपुर कनखल हरिद्वार उम्र 9 वर्ष जो अपने परिजनों के साथ सप्तऋषि घाट पर नहा रहा था नहाते हुए गंगा जी के तेज बहाव में बह गया। मौके पर जल पुलिस व एसडीआरएफ को बुलाया गया। जिनके द्वारा उक्त लड़के की तलाश में सर्चिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन के लिए मुख्यमंत्री से मिलेगा जिला प्रेस क्लब का प्रतिनिधिमंडल: राकेश वालिया

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिला प्रेस क्लब हरिद्वार की बैठक में पत्रकारों के हितों की रक्षा, संगठन को मजबूत बनाने तथा जिले भर के पत्रकारों को एक मंच पर लाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। मध्य हरिद्वार होटल में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि पत्रकारों की समस्याओं एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को लेकर संगठन का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन की मांग करेगा।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रेस क्लब के अध्यक्ष राकेश वालिया ने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का चौथा स्तंभ हैं, लेकिन आज भी पत्रकारों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर कई चुनौतियां बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रेस क्लब हरिद्वार पूरे जिले के पत्रकारों को एकजुट कर उनके हितों की रक्षा के लिए निरंतर कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि पत्रकारों की आवाज को मजबूती से शासन प्रशासन तक पहुंचाया जाएगा। महामंत्री अनिल कुमार बिष्ट ने कहा कि पत्रकारों को निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता के लिए सुरक्षित वातावरण मिलना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री के समक्ष पत्रकार सुरक्षा आयोग के गठन की मांग रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन पत्रकारों की हर समस्या में उनके साथ खड़ा रहेगा और पत्रकार एकता को और मजबूत किया जाएगा। उपाध्यक्ष मनव्वर कुरैशी ने कहा कि जिला प्रेस क्लब की पहल पर पिरान कलियर क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे कई अवैध कार्यों का संज्ञान लेते हुए प्रशासन ने प्रभावी कार्रवाई की है। उन्होंने कहा कि संगठन आगे भी जनहित और पत्रकार हित से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाता रहेगा तथा पत्रकारों की गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा। बैठक के दौरान जिला प्रेस क्लब हरिद्वार के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों को संगठन के पहचान पत्र भी वितरित किए गए। साथ ही बैठक में अनुपस्थित रहने वाले कुछ सदस्यों एवं पदाधिकारियों को भविष्य में नियमित रूप से संगठनात्मक गतिविधियों में सहभागिता सुनिश्चित करने की हिदायत दी गई। इस अवसर पर जिला प्रेस क्लब की प्रचार मंत्री मुस्कान राजपूत का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने केक कटवाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही जिला प्रेस क्लब हरिद्वार के दो पुराने सदस्यों की सदस्यता कों भी बहाल किया गया और संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पत्रकार एकता, संगठन की मजबूती और पत्रकार हितों की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक मनव्वर कुरैशी, मुस्कान राजपूत, रुचि ड्रोलिया, मनोज कश्यप, सनोज कश्यप, सुमित कुमार वर्मा, राकेश कुमार वर्मा, सागर कुमार, सरविंद्र कुमार, नरेश कुमार मित्तल, अवधेश कुमार भूमिवाल, विजय प्रजापति, वंश शर्मा, कुणाल शर्मा, गणेश भट्ट, दीपक झा, मोहम्मद नदीम सलमानी, रोहित वर्मा, भानु पांडे, उपासना तेश्वर, शिप्रा अग्रवाल, विजय कुमार बंसल, जीशान मलिक, गुलजार अहमद, मोहम्मद काशिफ सुल्तान, प्रवेश कुमार जेमिनी, नवनीत शर्मा, फुरकान अंसारी, रितिक कुमार, कमल शर्मा, इंद्रकुमार शर्मा सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

एनसीसी कैंप में हरिद्वार पुलिस की पाठशाला, 500 कैडेट्स को किया जागरूक

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर जनपद पुलिस द्वारा नशामुक्ति, साइबर अपराधों की रोकथाम और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को औरंगाबाद स्थित पतंजलि विश्व विद्यालय के एनसीसी कैंप में पुलिस ने विशेष पुलिस पाठशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम में हरिद्वार पुलिस की एएनटीएफ टीम, साइबर सेल और यातायात पुलिस ने लगभग 500 एनसीसी कैडेट्स एवं स्टाफ को नशे के दुष्प्रभाव, साइबर ठगी से बचाव तथा सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। अधिकारियों ने युवाओं से स्वयं जागरूक रहने के साथ-साथ अपने परिवार, मित्रों और रिश्तेदारों को भी इन विषयों पर जागरूक करने का आह्वान किया। पुलिस टीम ने कैडेट्स को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी के तरीकों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए हेल्पलाइन नंबरों के महत्व से भी अवगत कराया। इस दौरान नशा संबंधी शिकायतों के लिए मानस पोर्टल हेल्पलाइन तथा साइबर अपराधों की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी साझा की गई। साथ ही अन्य पुलिस हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में भी विस्तार से बताया गया।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने विद्यार्थियों को दी उपाधियां और पदक

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का प्रथम दीक्षांत समारोह गुरुवार को अल्मोड़ा परिसर के विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया। समारोह में विश्वविद्यालय के कुलाधिपति एवं उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों को उपाधियां एवं पदक प्रदान किए गए। राज्यपाल ने 15 विद्यार्थियों को पदक प्रदान किए। विभिन्न विषयों के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक तथा पांच विद्यार्थियों को प्रायोजित स्मृति स्वर्ण पदकों से सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न विषयों के 48 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित 'विधि सहयोगी ऐप' तथा पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के शिक्षक डॉ. ललित चंद्र जोशी की पुस्तक 'पत्रकारिता : संभावनाएं, भविष्य एवं चुनौतियां' का विमोचन किया। साथ ही पदक प्रायोजकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। राज्यपाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत रहने का आह्वान किया। उन्होंने 'लोकल टू ग्लोबल' सोच विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा, मूल्य और अनुभव जीवन में सफलता की आधारशिला हैं। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सिक्योरिटी और सूचना प्रौद्योगिकी को भविष्य के महत्वपूर्ण क्षेत्र बताते हुए युवाओं से इन क्षेत्रों में दक्षता विकसित करने का आह्वान किया। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में स्थापित विभिन्न नवाचार एवं शोध केंद्रों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट के नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए दीक्षांत समारोह के सफल आयोजन पर बधाई दी। कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट ने विश्वविद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विस्तार योजनाओं, शोध गतिविधियों और शिक्षण गुणवत्ता सुदृढ़ीकरण के प्रयासों की जानकारी दी। कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. एस.ए. हामिद ने किया। समारोह में विधायक मनोज तिवारी, महापौर अजय वर्मा, कुलपति प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट, कुलसचिव डॉ. देवेंद्र सिंह बिष्ट ,कुमाऊं विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत,शोध निदेशक प्रो जगत सिंह बिष्ट, दीक्षांत समारोह संयोजक प्रो डी के भट्ट, वित्त अधिकारी अमित कुमार त्रिपाठी, परीक्षा नियंत्रक प्रो पंकज शाह, प्रो0 शिवेन्द्र कुमार कश्यप कुलपति जी0 बी0 पन्त विश्वविद्यालय, पन्तनगर),प्रो0 तृप्ता ठाकुर (कुलपति वीर माधो सिंह भण्डारी तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून), प्रो0 एस0 एस0 रावत (पूर्व कुलपति गढ़वाल विश्वविद्यालय), प्रो0 पी0 डी0 पन्त (नामित सदस्य, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय), प्रो पी डी पंत (कुलपति नामित सदस्य, यूओयू), पद्मश्री बसन्ती देवी, प्रो0 अरूण कुमार त्रिपाठी (कुलपति, उत्तराण्ड आयुर्वेद विश्वविद्यालय, देहरादून), प्रो दीपेंद्र सिंह, प्रो एम एस रावत, प्रो जुयाल, परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट, डीन एकेडमिक प्रो. ए. के . यादव, प्रो हरीश चंद्र जोशी (संकायाध्यक्ष, कला), प्रो एस के जोशी (संकायाध्यक्ष, विज्ञान), प्रो शेखर चन्द्र जोशी (संकायाध्यक्ष, दृश्यकला), प्रो रिजवाना सिद्दीकी,(संकायाध्यक्ष, शिक्षा), प्रो ए के नवीन,(संकायाध्यक्ष, विधि), डॉ एच आर कौशल (संकायाध्यक्ष, वाणिज्य), डॉ हेम चन्द्र पांडे (निदेशक, एल एस एम परिसर), डॉ महेंद्र राणा, कुलानुशासक डॉ. दीपक सागर, क्रीड़ा प्रभारी लियाकत अली, देवेंद्र पोखरिया, प्रो आर एस पथनी, प्रो अनिल कुमार जोशी, प्रो जीवन सिंह रावत, प्रो वी डी एस नेगी, प्रो जी एस नयाल, प्रो एस एस पथनी, समस्त विभागाध्यक्ष के साथ राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षा संस्थानों के कुलपति, विद्यापरिषद एवं कार्यपरिषद के सदस्यगण, शिक्षक, कर्मचारी, छात्र संघ, महासंघ के समस्त पदाधिकारी, जिला प्रशासन के अधिकारी, तथा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

एकम्स की कमाई-पढ़ाई योजना शुरू, युवाओं को पढ़ाई के साथ कमाई का अवसर

पथ प्रवाह, हरिद्वार। युवाओं को शिक्षा के साथ रोजगारपरक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड ने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत 'कमाई पढ़ाई योजना' की शुरुआत की है। यह योजना उन विद्यार्थियों के लिए तैयार की गई है जिन्होंने 12वीं कक्षा उत्तीर्ण कर ली है और उच्च शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर अपने करियर को मजबूत बनाना चाहते हैं। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को तीन वर्षीय बीएससी (रसायन विज्ञान) की डिग्री प्राप्त करने के साथ-साथ उद्योग से जुड़ा प्रशिक्षण और कार्य अनुभव भी मिलेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को शिक्षा और रोजगार के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने का अवसर प्रदान करना है, ताकि वे पढ़ाई के दौरान ही अपने कौशल का विकास कर सकें और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। वर्क इंटीग्रेटेड लर्निंग प्रोग्राम (डब्ल्यूआईएलपी) के अंतर्गत विद्यार्थियों को शैक्षणिक अध्ययन के साथ-साथ संरचित कार्यस्थल प्रशिक्षण, नियमित कार्यशालाएं, उद्योग विशेषज्ञों का मार्गदर्शन और आधुनिक औद्योगिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी जाएगी। इससे छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ रोजगार के लिए आवश्यक कौशल भी प्राप्त होंगे। कंपनी के प्रबंध निदेशक संदीप जैन ने कहा कि शिक्षा और रोजगार सामाजिक विकास के दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। 'कमाई पढ़ाई योजना' के माध्यम से कंपनी का प्रयास है कि युवा अपनी उच्च शिक्षा जारी रखते हुए आर्थिक रूप से भी सशक्त बन सकें। उन्होंने कहा कि प्रतिभा हर क्षेत्र में मौजूद है और उसे सही अवसर तथा मार्गदर्शन उपलब्ध कराना आवश्यक है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए इस योजना में 60 सीटें निर्धारित की गई हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थी का विज्ञान वर्ग से 12वीं कक्षा न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक की आयु 18 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए। चयन प्रक्रिया में स्क्रीनिंग, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार और अंतिम मूल्यांकन शामिल होगा। कमाई-पढ़ाई योजना शिक्षा और उद्योग के बीच एक मजबूत सेतु का कार्य करेगी। यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने तथा देश के लिए कुशल और प्रशिक्षित कार्यबल विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही यह समाज और राष्ट्र के सतत विकास में भी सकारात्मक योगदान सुनिश्चित करेगी।

आईएएस अधिकारियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड की मांग, पीएम और सीएम को भेजा ज्ञापन

पथ प्रवाह, हरिद्वार। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के लिए निर्धारित ड्रेस कोड लागू करने की मांग को लेकर हरिद्वार के अधिवक्ता अरुण भदोरिया, अधिवक्ता कमल भदोरिया एवं एलएलबी अध्ययनरत चेतन भदोरिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन भेजा है। ज्ञापन में कहा गया है कि देश के लगभग सभी विभागों और सेवाओं में अधिकारियों के लिए निर्धारित वर्दी अथवा ड्रेस कोड की व्यवस्था है, लेकिन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। ज्ञापन में बताया गया कि आईएएस अधिकारी जिला, मंडल, राज्य और केंद्र स्तर पर प्रशासनिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं तथा उनके निर्णयों का सीधा प्रभाव आम जनता और शासन व्यवस्था पर पड़ता है। इसके बावजूद उनकी कोई एक समान पहचान नहीं है। भदोरिया एसोसिएट्स का कहना है कि निर्धारित ड्रेस कोड होने से आम नागरिक प्रशासनिक अधिकारियों को आसानी से पहचान सकेंगे और प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता तथा जवाबदेही भी बढ़ेगी। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस), भारतीय वन सेवा (आईएफएस), सशस्त्र बलों और अन्य कई सरकारी सेवाओं के अधिकारियों की पहचान उनकी वर्दी से होती है। इसी प्रकार आईएएस अधिकारियों के लिए भी एक गरिमामय और औपचारिक ड्रेस कोड निर्धारित किया जाना चाहिए। इससे प्रशासनिक गरिमा, अनुशासन और राष्ट्रीय स्तर पर एकरूपता को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधान प्रबंधक के तबादले पर भड़के दुग्ध संघ कर्मचारी, सामूहिक इस्तीफे की चेतावनी

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा।

अल्मोड़ा दुग्ध संघ के प्रधान प्रबंधक पुष्कर सिंह के स्थानांतरण को लेकर कर्मचारियों का विरोध तेज हो गया है। गुरुवार को दुग्ध संघ कर्मचारी संगठन के बैनर तले पातालदेवी स्थित फैक्ट्री गेट पर कर्मचारियों ने दो घंटे का धरना और कार्य बहिष्कार किया। इस दौरान कर्मचारियों ने स्थानांतरण आदेश के खिलाफ नारेबाजी करते हुए शासन के प्रति नाराजगी जताई। धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अल्मोड़ा दुग्ध संघ को अस्थिर करने का प्रयास किया जा रहा है। उनका कहना था कि नए बोर्ड के दो वर्ष के कार्यकाल में चार प्रधान प्रबंधकों का स्थानांतरण किया जा चुका है। कर्मचारियों ने प्रबंध समिति के सदस्यों की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। कर्मचारियों ने सातवें वेतनमान का लाभ नहीं मिलने और वर्ष 2019 से लंबित छठे वेतनमान के महंगाई भत्ते का भुगतान न होने पर भी नाराजगी व्यक्त की। उनका कहना था कि जब भी कर्मचारी महंगाई भत्ते की मांग करते हैं तो संस्था के घाटे का हवाला देकर मामला टाल दिया जाता है। वक्ताओं ने शासन और विभागीय अधिकारियों के रवैये पर भी कड़ा विरोध दर्ज करते हुए चेतावनी दी कि यदि प्रधान प्रबंधक पुष्कर सिंह का स्थानांतरण आदेश तत्काल निरस्त नहीं किया गया तो शुक्रवार को संस्था के सभी कर्मचारी सामूहिक इस्तीफा सौंप देंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि आंदोलन को दुग्ध उत्पादक सचिव संगठन और परिवहन संगठन का समर्थन प्राप्त है। कर्मचारी संगठन ने कहा कि स्थानांतरण आदेश निरस्त होने तक आंदोलन जारी रहेगा और इसे और तेज किया जाएगा। धरने में केसी तिवारी, प्रेम सिंह बिष्ट, शिवशंकर बोरा, कल्पना बिष्ट, शेर सिंह, राजेंद्र कांडपाल, दया टाकुली, हरीश मेहरा, मुकेश सत्यावली, कमला बिष्ट, पुष्पा तिवारी, राधा आर्या, किरन पांडे, लाल सिंह, उत्तम सिंह, हेमा आर्या, राजेंद्र सिंह लटवाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

कांग्रेस का लोक निर्माण प्रांतीय खंड में प्रदर्शन, अधिशासी अभियंता का किया घेराव

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

नगर क्षेत्र की खराब हो चुकी सड़कों के सुधारीकरण एवं हॉटमिक्स की मांग को लेकर अल्मोड़ा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशासी अभियंता कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने विभागीय अधिकारियों के सामने नगर की सड़कों की बदहाल स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि अल्मोड़ा नगर की अधिकांश सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं जिससे आम जनता,वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।बरसात के मौसम में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है तथा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।उन्होंने कहा कि लंबे समय से सड़क सुधारीकरण की मांग उठाई जा रही है लेकिन विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि नगर की सभी प्रमुख एवं संपर्क सड़कों का शीघ्र हॉटमिक्स कर गुणवत्तापूर्ण मरम्मत कार्य कराया जाए, ताकि लोगों को बेहतर यातायात सुविधा मिल सके।कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही सड़कों के सुधार की दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो पार्टी जनहित में व्यापक आंदोलन शुरू करने को बाध्य होगी।अधिशासी अभियंता ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि विभाग द्वारा सड़क मरम्मत एवं हॉटमिक्स कार्यों की कार्ययोजना तैयार की जा रही है और उपलब्ध बजट के अनुसार जल्द आवश्यक कार्य शुरू किए जाएंगे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने लोक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता से लिखित में कार्य प्रारंभ होने का समय लिया जिसमें अधिशाषी अभियंता हर्षित गुप्ता के द्वारा बीस दिन के भीतर कार्य प्रारम्भ होने की बात लिखित रूप में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल को दी।प्रदर्शन में कांग्रेस के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। इस दौरान नगर अध्यक्ष ताराचंद्र जोशी,एन.डी.पान्डे,वैभव पांडे,बी. के पान्डे,जगदीश पांडे,आनन्द सिंह बिष्ट,रितिक नयाल,परितोष जोशी,विकास कुमार (पार्षद),संजय दुर्गापाल, प्रदीप चन्द्र आर्या,हेम चन्द्र तिवारी,कार्तिक साह,आनन्द बगड़वाल,सलीम अख्बर,दीपक कुमार पार्षद,दिनेश पिलख्वाल,सुशील साह,देवेन्द्र बलोनी,अशोक गोस्कुमार, विक्रम सिंह फर्त्याल,पूरन रौतेला,शशांक बिष्ट,कुलदीप मेर आदि मौजूद रहे।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्प्लैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com